

उत्तराखण्ड में देहरादून हवाई अड्डे का अंतरराष्ट्रीय वसितार शुरु

चर्चा में क्यों?

इनबाउंड **पर्यटन** को बढ़ावा देने के एक महत्त्वपूर्ण प्रयास में, उत्तराखण्ड सरकार **देहरादून को एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में बदलने** पर कार्य कर रही है।

मुख्य बन्दि:

- राज्य सरकार ने **देहरादून के जॉली ग्रांट हवाई अड्डे और काठमांडू** के बीच सब्सिडी वाली नॉन-स्टॉप उड़ानों के लिये एयरलाइंस से प्रस्ताव मांगे हैं।
 - रिपोर्टों से पता चलता है कि केंद्र सरकार भारत की वैश्विक पर्यटन स्थल बनने की क्षमता का लाभ उठाने की इस पहल का समर्थन करती है।
 - वर्ष 2019 में वदेशी पर्यटक आगमन (Foreign Tourist Arrival-FTA) कुल लगभग 1.1 करोड़ था। वर्ष 2022 में यह संख्या घटकर 62 लाख हो गई लेकिन वर्ष 2023 में यह बढ़कर 92.4 लाख हो गई।
 - उद्योग अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाकर, नए पर्यटन मार्गों को शुरू करने और वीजा प्रक्रियाओं को सरल बनाकर वर्ष 2019 FTA स्तरों को पार करने की रणनीतियों पर चर्चा कर रहा है।
- इंडिगो और टाटा ग्रुप एयर इंडिया** जैसी प्रमुख एयरलाइनों के साथ-साथ महत्त्वपूर्ण केंद्रों के साथ भारत को एक प्रमुख वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापति करने के लिये महत्त्वाकांक्षी रणनीतियाँ चल रही हैं।
- नेपाल और उत्तराखण्ड की राजधानी शहरों को जोड़कर**, यह प्रयास न केवल ऐतिहासिक संबंधों को मज़बूत करता है बल्कि **पर्यटन, वाणजिय तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान** हेतु नए रास्ते भी खोलता है।
- भारत ने वर्ष 2014 के बाद से **हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी कर दी है** और उनमें से कई को कम-से-कम नज़दीकी जलग्रहण देशों से सीधी उड़ानें प्राप्त करने के लिये अंतरराष्ट्रीय दर्जा प्राप्त होगा।